ये अव्यक्त इशारे

ज्वालामुखी योग तपस्या द्वारा वायुमण्डल का परिवर्तन करो

7-08-2023

ज्वाला-रूप बनने का मुख्य और सहज पुरुषार्थ -सदा यही धुन रहे कि अब वापिस घर जाना है और सबको साथ ले जाना है। इस स्मृति से स्वतः ही सर्व-सम्बन्ध, सर्व प्रकृति की आकर्षण से उपराम अर्थात् साक्षी बन जायेंगे। साक्षी बनने से सहज ही बाप के साथी वा बाप-समान बन जायेंगे।

Transform the atmosphere with volcanic yoga tapasya.

The main and easy effort to become volcanic is constantly to have the one concern to return home and to take everyone with you. With this awareness, you will automatically be able to go beyond all relationships and attractions of matter, that is, you will become a detached observer. By becoming a detached observer, you will easily become a companion of the Father and equal to Him.